

personnel for the working of the Dandakaranya project;

(b) whether any recruitment board has been constituted for the purpose;

(c) if so, who is the chairman of the board; and

(d) the headquarters of the board?

The Deputy Minister of Rehabilitation (Shri P. S. Naskar): (a) So far only such personnel as is immediately required, has been appointed, mostly from amongst the serving officers.

(b) Not yet.

(c) and (d). Do not arise.

Out-of-Turn Allotments

2801. { Shri B. K. Galkwad;
Shri H. N. Sonule;
Shri Dige;
Shri Balasaheb Salunke;

Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state the total number of out-of-turn accommodation allotted during the last two years to the Central Government servants serving in the Capital?

The Minister of Works, Housing and Supply (Shri K. C. Reddy):

1956-57	799
1957-58	814.

Manufacture of Wine

2802. Shri Sanganna: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a proposal to manufacture wine in India with a view to save foreign exchange is under the consideration of Government; and

(b) if so, with what result?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) and (b). No such proposal is being considered by the Central Government. It is, however, understood that a private party has been in

correspondence with the Mysore Government.

नेपाल में पुस्तकालय

२८०३. श्री श्रीनारायण दास : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नेपाल राज्य में तराई के प्रमुख शहरों में भारत सरकार की ओर से पुस्तकालय खोलने के बारे में कोई प्रस्थापना है ; और

(ख) नेपाल के किन-किन स्थानों पर अभी भारत सरकार की ओर से पुस्तकालय तथा सूचना केन्द्र चलाये जा रहे हैं ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) जी नहीं ।

(ख) काठमांडू ।

खाद्यान्न का निर्यात

२८०४. श्री प० ला० बारूपाल : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १ जनवरी, १९५७ से ३१ जुलाई, १९५८ तक भारत से कितना गेहूँ, बाजरा, मक्का, जौ, ज्वार और चावल विदेशों को निर्यात किया गया ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : इस विषय में जानकारी जून, १९५८ के अन्त तक की ही उपलब्ध है । १ जनवरी, १९५७ से ३० जून, १९५८ तक निम्न परिमाण में निर्यात हुआ :—

गेहूँ (भाटा, मैदा आदि)	२५ टन
बाजरा	. शून्य
मक्का	. शून्य
जौ	. शून्य
ज्वार	. शून्य
चावल	. ४१५ टन